



वैश्विक उद्यमिता शिखर सम्मेलन - 2017

चर्चा में क्यों ?

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका मलिकर हैदराबाद में इस वर्ष 28 से 30 नवंबर तक होने वाले भारत-अमेरिका वैश्विक उद्यमी शिखर सम्मेलन-2017(Global Entrepreneurship Summit-2017) का सह-आयोजन करेंगे।

तीन दिन के इस सम्मेलन में दुनिया के 1600 उद्यमी भाग लेंगे जिसमें भारत और अमेरिका से 400-400 उद्यमी होंगे। इसमें 300 से अधिक नविशकों के भी आने की उम्मीद है।

प्रमुख बिंदु

- अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप भी इसमें हिस्सा लेंगी।
- उल्लेखनीय है कि पैंतीस वर्षीय इवांका अमेरिकी राष्ट्रपति की सलाहकार भी हैं। वह अपने कार्यकाल में महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों की एक मजबूत हमियती के रूप में उभरी हैं।
- वह इस सम्मेलन के पहले दिन ही उद्यमियों को संबोधित कर सकती हैं। इसमें भारतीय पक्ष की ओर से सरकार की उच्चस्तरीय भागीदारी होगी।
- पछिले सम्मेलन में फेसबुक, गूगल, एप्पल जैसी कंपनियों आई थीं और उम्मीद है कि इस साल भी इसी तरह की उपस्थिति रहेगी।
- भारत में शोध एवं विकास इकाइयों वाली कंपनियों इस सम्मेलन को लेकर काफी उत्सुक हैं।
- इस सम्मेलन में चार क्षेत्रों- ऊर्जा और बुनियादी ढाँचा, स्वास्थ्य देखभाल और जीवन शैली, वित्तीय अर्थव्यवस्था और डिजिटलीकरण और मीडिया एवं मनोरंजन पर फोकस होगा।
- गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिराक ओबामा ने 2010 में पहले वैश्विक उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन व्हाइट हाउस में किया था। उसके बाद से यह केन्या, मोरक्को, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और मलेशिया में हो चुका है।
- पछिले साल यह सम्मेलन अमेरिका में सलिकॉन वैली में हुआ था। तब इसमें 160 देशों के 1,500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्टार्ट-अप और अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण पर बल एक ऐसा कारण है, जिससे इस सम्मेलन का आयोजन इस साल भारत में किया जा रहा है।

थीम

- इस सम्मेलन में महिला उद्यमियों पर खास बल दिया जाएगा।
- इसका थीम है: 'पहले महिलाएँ, समृद्धि सबके लिये' (वमिन फर्स्ट, प्रॉस्पेक्टि फॉर ऑल)।

हैदराबाद ही क्यों ?

- अमेरिका ने भारत सरकार और नीति आयोग से चर्चा के बाद इस आयोजन के लिये हैदराबाद को चुना क्योंकि यह प्रौद्योगिकी हब है और यहाँ अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस जैसे संस्थान भी हैं।
- इस सम्मेलन के आयोजन में नीति आयोग तेलंगाना सरकार की भागीदारी में अग्रणी भारतीय एजेंसी है।